खबर संक्षेप

महिष्मति सर्व ब्राह्मण समाज बिछिया ने किया जिला भाजपा अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा का स्वागत

भुआबिछिया। नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष पंडित प्रफुल्ल मिश्रा, एवं मंडल अध्यक्ष पंडित नीरज भट्ट का माहिष्मति सर्व ब्राहमण समाज ने किया भुआ राममंदिर प्रांगण में भव्य स्वागत। श्री मिश्रा ने श्री राममंदिर में पूजन किया, उसके पश्चात महिष्मति सर्व ब्राह्मण समाज, बिछिया द्वारा पंडित प्रफुल्ल मिश्रा एवं पंडित नीरज भट्ट और समाज के वरिष्ठजन विनोद चौबे, आलोक दीक्षित जयदत्त झा, सचिन शर्मा सभी का स्वागत पुष्प माला पुष्प गुच्छ से समस्त ब्राह्मण समाज द्वारा किया गया इस अवसर पर मंचसीन भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने सभी का अभिवादन करते हुए समाज के हित में कार्य करने का आ श्वसन दिया ओर अपने भी सुझाव रखे समाज हित में समाज के लिए कार्य करना हमारी जिम्मेदारी है, इस अवसर पर स्वागत समारोह कार्यक्रम में महिष्मति सर्व ब्राह्मण समाज से अश्विनी मिश्रा, आजाद चौबे, ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष अशोक वाजपेई, सुनील गर्ग, रमेश पाण्डेय, पुरुषोत्तम शुक्ला, रजनीश पाण्डेय, चंद्रिका उपाध्याय, जितेंद्र दीक्षित, अवधेश मिश्रा, रमाकांत तिवारी, कमल पांडे, आदित्य मिश्रा, अभय गर्ग, बलराम शुक्ला, प्रहलाद दुबे, राकेश पाण्डेय, संजय मिश्रा, विष्णु तिवारी, दीपक कटारे, विवेक कुमार पाण्डेय, दिनेश पांडेय, चंद्रकांत शर्मा, दीपक पाण्डेय, वैभव मिश्रा, आशुतोष तिवारी, मयंक मिश्रा, तरुण दुबे, अरविंद उपाध्याय, साकेत तिवारी तथा महिला प्रकोष्ठ से अध्यक्ष संगीता गर्ग, सरिता उपाध्याय, सुषमा पाण्डेय, मोहिनी गर्ग, अर्चना पाण्डेय, रानू पाण्डेय, शशि मिश्रा, रतना गर्ग, आरती शर्मा, ऊषा भट्ट, लक्ष्मी भट्ट, रिया पाण्डेय तथा सभी सम्मानीय वरिष्ठजन, मातृशक्ति एवं युवा साथी उपस्थित रहे।

दिनभर चले अभिषेक, हवन-पूजन के दौर, अखण्ड रामधुन का भी हुआ आयोजन

भगवान भोलेनाथ की भक्ति में डूबी महिष्मती नगरी

* शिवालयों में लगा भक्तों का तांता।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

महाशिवरात्रि पर्व शहर सहित आसपास के क्षेत्रों में धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही शिवालयों में भोले का अभिषेक करने श्रृद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। यह क्रम देर शाम तक चलता रहा। श्रृद्धालुओं ने दूध, दही, घी, शहद, शक्कर, भभूत, भांग आदि से शिव का अभिषेक किया। धार्मिक समितियों ने भी जगह-जगह भंडारे का आयोजन किया। मंदिरों में भजन कीर्तन का आयोजन सुबह से देर रात्रि तक चलता रहा। शिवरात्रि के अवसर पर दूर दूर से श्रृद्धालु नर्मदा स्नान करने पहुंचे। रपटा घाट पर भीड़ भाड़ रही। पूरा माहौल भक्तिमय हो गया, चारो तरफ ऊँ नमः शिवाय के जयकारे गूंज रहे थे। भक्त भोले में लीन नजर आ रहे थे। महा शिवरात्रि के मौके पर मंदिर को फू ल मालाओं से सजाया गया। कुछ लोग स्थानीय नदियों का पवित्र जल को कांवर में रखकर चढ़ा रहे थे तो वहीं नर्मदा जी से भी कई कांवरिये जल लेकर धार्मिक स्थानों की ओर निकले।

तटों पर रहे सुरक्षा

महाशिवरात्रि के अवसर पर नर्मदा तटों समेत शिवालयों में भक्तों का तांता लगा रहा। श्रृद्धालु माँ नर्मदा में स्नान पूजन करने पहुंचे। जिसे देखते हुये जिला प्रशासन, नपा द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गए। घाटों में बेरियर लगाया गया। शहर के रपटा घाट, संगम घाट में सुरक्षा के इंतजाम किये गये। नर्मदा तटों में पुलिस बल भी तैनात रहा।

निकाली गई शोभा यात्रा

महाशिवरात्रि के अवसर पर भगवान शिव पार्वती का विवाह हुआ था। जिसके चलते इस दिन कई स्थानों से भक्तों द्वारा भगवान शंकर की बारात, शोभायात्रा, त्रिशुल यात्रा निकाली गई। इसके साथ भगवान शंकर की प्रतिमा की भी स्थापना की गई थी। जिसे दोपहर बाद भगवान शंकर की बारात बैंड बाजों के साथ निकाली गई।

जगह-जगह हुए धार्मिक आयोजन

प्रतिवर्षानुसार महाशिवरात्रि के अवसर पर पूरे जिले में जगह-जगह धार्मिक आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत धार्मिक स्थलों में महाशिवरात्रि महोत्सव का आयोजन किया गया। नगर के नाना घाट में शिवलिंग का निर्माण किया गया। बताया गया कि नर्मदा तट में स्थित नानाघाट में विगत 24 वर्षो से आयोजन हो रहे है। शिवरात्रि के अवसर पर सुबह से ही भोलेनाथ का रूद्राभिषेक किया गया। बैगा बैगी चौराहे में स्थित शिव मंदिर में भी शिव अभिषेक कर रामधुन आयोजन किया गया। संगीतमय रामधुन में भक्त झूमते नजर आए। दिन भर धार्मिक आयोजन चलता रहा।

राजीव कॉलोनी में हुआ शिव अभिषेक

राजीव कॉलोनी झंडा चौक स्थित सार्वजनिक शिव मंदिर में शिवरात्रि के अवसर पर प्रातःकाल शिव अभिषेक किया गया। जहां महाकाल को दूध, दही, शक्कर, शहद, बेल पत्र, धतूरा, भांग आदि से पूजन किया गया। हवन एवं आरती के बाद प्रसाद वितरित किया गया। बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। शाम को विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया।

शिवालयों में उमड़ी भीड़

शिवरात्रि के अवसर पर शहर के शिवालयों में बड़ी संख्या में श्रृद्धालु पहुंचे। कारीकोन स्थित शिवालय, दादाधनीराम आश्रम स्थित ज्योर्तिलिंग, सिद्ध रेवा घाट स्थित शिवालय, रपटा घाट स्थित बारह ज्योर्तिलिंग, जेल घाट स्थित शिवालय, सहस्त्रधारा आश्रम, मंगलेश्वर मंदिर महाराजपुर, पीपल घाट स्थित नर्मदा आश्रम आदि शिव स्थानों पर श्रृद्धालु भगवान शिव का पूजन करने बड़ी संख्या में पहुंचे।

नगर में हुए भंडारे

शिवरात्रि पर्व पर नगर के विभिन्न स्थानों में भंडारे का आयोजन किया गया। नगर के शिवालयों में भी प्रसादी बांटी गई। नगर के रपटा घाट, नेहरू स्मारक, बस स्टेंड, झंडा चौक, सिद्ध घाट, नाना घाट बैगा बैगी चौक आदि स्थानों में स्थित शिवालयों में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया।

हनुमान शिव शेषनाग मंदिर में भोले का अभिषेक

जिला पंचायत के सामने स्थापित हनुमान शिव शेषनाग मंदिर में वर्ष 1993 से अनवरत महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर विविध धार्मिक आयोजन किए जाते हैं। इस वर्ष भी समस्त भक्तों के द्वारा महा रुद्राभिषेक हवन, पूजन, प्रसादी का वितरण किया गया। दिन भर मंदिर में पूजन पाठ का दौर चलता रहा। संध्या काल में मंदिर प्रांगण पर दीपदान एवं महा आरती की गई। मंदिर व्यवस्थापक सुधीर कांसकार ने बताया कि हनुमान शिव शेषनाग मंदिर में स्थापित भोलेनाथ का महा रुद्राभिषेक पौराणिक पुरोहित के सानिध्य में कराया गया। शाम को भंडारा, प्रसादी वितरण किया गया। जहां भक्तों ने भोले का प्रसाद ग्रहण किया।

सिद्ध टेकरी में लगा महाशिवरात्रि का मेला

जिले के सभी शिवालयों में महाशिवरात्रि में अल सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। प्रसिद्ध मंदिरों के बाहर लंबी लंबी कतारें लगी रही। जिला मुख्यालय से करीब चार किमी दूर खैरी ग्राम में स्थित सिद्ध टेकरी में महाशिवरात्रि पर्व का मेला लगा। हजारों की संख्या में लोग पहाड़ी पर विराजमान भोलेनाथ के दर्शन के लिए सुबह से पहुंचे। सिद्ध टेकरी में विराजमान भोलेनाथ का बेलपत्र, भांग, धतुरा, दूध, शहद से अभिषेक किया गया। भक्त सिद्ध टेकरी की पहाड़ी पर ऊं नमः शिवाय बोलते चढ़ते गए। जहां पहुंच कर भक्तों ने भगवान शिव की पूजा आराधना करते हुए संकटों से मुक्ति व सुखमय जीवन की कामना की। सिद्ध टेकरी में दिनभर भक्तों का तांता लगा रहा।

नैनपुर में महाशिवरात्रि पर्व पर हर हर महादेव के जयकारों की रही गूंज

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर शिव भक्तों ने व्रत रखे ओर सुबह से ही नगर के शिव मंदिरों पर बड़ी संख्या में शिव भक्तों व श्रद्धालुओं द्वारा जल अर्पण करने लम्बी कतारें लगाई। सभी मंदिरों में विधि विधान से भोलेनाथ शिव शंकर का दूध दही शहद जल से जलाभिषेक कर तिलक वंदन किए पश्चात भांग गेहूं, चना, बेर, अलसी, धतूरा, बेलपत्र, फूल माला फल मेवा मिष्ठान श्रीफल आदि भोलेनाथ शिव शंकर को अर्पित कर पूजा अर्चना कर परिवार के लिए सुख समृद्धि की कामना करते हुए आशीर्वाद ग्रहण किया पूरे दिन शिवालयों पर पूजा अर्चना का दौर चलता रहा। हर हर महादेव की जय घोष लगाए गए। देवों के देव महादेव के पूजा अर्चना के लिए शिव भक्तों का जनसैलाब शिवालयों में सुबह से ही उमड़ पड़ा। पूजा अर्चना के साथ ही मंदिरों में हर-हर महादेव के जयकारों की गूंज रही श्रद्धालुओं के लिए जगह-जगह भण्डारों का भी आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने प्रसाद भोग भंडारा ग्रहण कर आशीर्वाद ग्रहण किया।

मण्डला में नागपुर डायोसिस ट्रस्ट की जमीन की अवैध बिक्री, ईओडब्ल्यू ने दर्ज की एफआईआर

मण्डला। मण्डला में नागपुर डायोसिस ट्रस्ट की जमीन की अवैध बिक्री के मामले में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (EOW) ने एफआईआर दर्ज की है। जांच में खुलासा हुआ कि ट्रस्ट के पदाधिकारी फ्रैंकलिन सी. जोनाथन ने चैरिटी कमिश्नर की अनुमति के बिना यह जमीन बेच दी। नागपुर डायोसिस ट्रस्ट महाराष्ट्र पब्लिक ट्रस्ट एक्ट 1950 के तहत संचालित होता है, जिसकी धारा 36 के अनुसार ट्रस्ट की संपत्ति बेचने से पहले चैरिटी कमिश्नर की अनुमति अनिवार्य होती है। इसके अलावा, भोपाल के राजस्व विभाग ने चर्च की संपत्तियों को चर्च के सदस्यों के अलावा अन्य किसी को बेचने पर रोक लगा रखी है। यह मामला नजूल शीट नंबर 19 सी, प्लॉट नंबर 57 और 57/1 की 4518 वर्गफुट जमीन से जुड़ा हुआ है, जो पहले चर्च मिशन सोसाइटी पटपरा के नाम पर थी। वर्ष 1960-61 में यह जमीन नागपुर डायोसिस ट्रस्ट के नाम दर्ज हुई थी, लेकिन 1989-90 में फ्रैंकलिन सी. जोनाथन ने इसे अवैध रूप से बेच दिया। वर्तमान में इस जमीन पर दीपक कुमार जैन और जितेंद्र साहू ने दुकानें बना ली हैं। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने इस मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 420 और 120बी के तहत 9 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोपियों में नाहिदजहां, इफ्फत, रुवीना, अतीक गौरी, इकबाल गौरी, रईस अहमद गौरी (जो मंडला के निवासी हैं और वर्तमान में भोपाल में रह रहे हैं) तथा दीपक कुमार जैन और जितेंद्र साहू (मंडला निवासी) शामिल हैं। मामले की जांच जबलपुर ईओडब्ल्यू यूनिट द्वारा की जा रही है, और आगे की कार्रवाई जारी है।

सामूहिक कन्या विवाह महोत्सव में शामिल हुये सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते

मण्डला। सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते आज बागेश्वर धाम में आयोजित 251 सामूहिक कन्या विवाह महोत्सव में सम्मिलित होकर दिव्य आयोजन का साक्षी बने। इस पुण्य अवसर पर उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान कर उनके सुखद दांपत्य जीवन की मंगलकामना की। श्री कुलस्ते ने कहा कि बागेश्वर धाम सरकार के द्वारा किए जा रहे समाज के इस पुनीत कार्य और सेवा से हमे प्रेरणा मिलती है। ऐसे शुभ कार्यों से सामाजिक एकता और समर्पण की भावना और प्रबल होती है।

आयोजन | मध्य प्रदेश एमेच्योर कुश्ती संघ की वार्षिक बैठक का इंदौर में हुआ आयोजन।

संदीप कछवाहा ने किया जिले का प्रतिनिधित्व

* जिला कुश्ती संघ द्वारा प्रेषित की गई शुभकामनायें।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

22 फ़रवरी 2025 को मध्य प्रदेश एमेच्योर कुश्ती संघ की वार्षिक कार्यकारिणी एवं जर्नल बॉडी की बैठक ओलंपियन अर्जुन अवार्डि पप्पू यादव जी की देख रेख होटल साउथ एवेन्यू (इंदौर) में रखी गई जिसमें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं मध्य प्रदेश एमेच्योर कुश्ती संघ के अध्यक्ष डॉ मोहन यादव के बड़े भाई दादा दयालु नारायण यादव को मध्य प्रदेश एमेच्योर कुश्ती संघ का सर्वसम्मति से वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। ज़िला कुश्ती संघ मण्डला के अध्यक्ष भूपेंद्र गुप्ता, संरक्षक सुमंत उपाध्याय एंव संरक्षक संतोष सोनू भलावी के निर्देश पर सचिव संदीप कुमार कछवाहा इंदौर में आयोजित बैठक में मंडला का प्रतिनिधित्व कर मध्य प्रदेश एमेच्योर कुश्ती संघ की वार्षिक बैठक में कार्यकारी सदस्य के रूप में सम्मिलत होकर नव मनोनीत वरिष्ठ उपाध्यक्ष का जिला कुश्ती संघ मंडला की ओर से शाल श्रीफल से अभिनंदन कर बधाई प्रेषित की एवं प्रदेश सचिव से मंडला में फेडरेशन के द्वारा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता करवाने का निवेदन किया। दादा दयालु नारायण यादव को मध्य प्रदेश एमेच्योर कुश्ती संघ का वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर जिला कुश्ती संघ मंडला के सभी सदस्यों राजेश सोनी,अखिलेश कछवाहा, विनोद कछवाहा, गुलाब मर्दारिया, वाजिद खान, कुलदीप सिंधिया, ओम प्रकाश चंद्रोल, शिवम सिंधिया, सतीश मरकाम, संतोष कछवाहा, अजय चंद्रोल, सुमित सोनी, राजुल ज्योतिषी, दीपक चक्रवर्ती, बालवीर ऊईके, नंदकिशोर पहलवान, रंजीत ऊईके, राजू कार्तिके, हेमराज कछवाहा, राजकुमार कछवाहा, प्रेम कछवाहा, नरेश सिंधिया, हर्षित भलावी, नितिन समुद्रे, चंद्रशेखर सिंधिया, बल्लू चौरसिया, शिवराज कछवाहा, ओम प्रकाश चौकसे, नरेश कछवाहा, श्रीराम सिंधिया, जगदीश चड्डार, योगेश कछवाहा, शैलेश यादव, किशोर गुप्ता एवं सभी सदस्यों ने खुशी व्यक्त की।

कबाड़ में अचानक लगी भीषण आग

भुआ बिछिया। मंडला नगर परिषद बिछिया के वार्ड क्रमांक 11 पठानी मोहल्ला घनी आबादी वाले मुहल्ले की एक कबाड़ दुकान के भारी कबाड़ में अचानक लगी भीषण आग देखते ही देखते बेकाबू हो गई आग बुझाने मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड और पुलिस प्रशासन के द्वारा लगातार आग पर काबू पाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं , नगर के मध्य रहवासी क्षेत्र में घनी बस्ती होने के पश्चात भी ग्राम वासियों ने अनेकों बार प्रशासन को अवगत कराया जिस पर प्रशासन संबंधित कबाड़ी को नोटिस भी दिया इसके पश्चात भी कबाड़ का भंडारण रोड के ऊपर बढ़ता जा रहा था इसी भंडारण में आज शाम 4/5 बजे के लगभग अचानक लगी आग ने संपूर्ण नगर को हैरान कर दिया धीरे-धीरे आग बढ़ती रही और इस तर्ज पर आग को बुझाने प्रयास चलते रहे देखते-देखते नगर में देखने वालों का मजमा लग गया नगर परिषद की दमकल ट्रैक्टर टैंकर और नजदीकी रह वासियों ने आग बुझाने का संपूर्ण प्रयास किया पश्चात आग पर अभी तक काबू नहीं पाया गया है स्थानीय प्रशासन इस ओर आबादी वाले क्षेत्र पर ज्वलनशील पदार्थ कबाड़ डीजल पेट्रोल या अन्य सामान रखने पर पाबंदी के होते हुए भी किसी भी किस्म की पाबंदी नहीं होने के कारण इनके हौसले बड़े हुए थे जिसके परिणाम स्वरूप लगी आग ने सभी को हैरत में डाल दिया कबाड़ के जलने से उठते धुएं की गुब्बारे उठ रहे थे जिसे जो दूर से दिखाई दे रहे थे बिछिया पुलिस ने मामला पंजी बद्ध कर जांच शुरू कर दी है ऐस डीम के दो बार नोटिस दिए मगर रोड से माल नहीं हटाया गया पाइप लाइन को धक कर ऊंचा ब्रेकर बना दिया था , मामले की जांच शुरू कर दी गई है, थाना प्रभारी बिछिया

महाराजपुर थाना में महाशिवरात्रि पर भव्य भंडारे का आयोजन,

:मण्डला। जिले के महाराजपुर थाना परिसर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में स्थानीय श्रृद्धालुओं, पुलिस कर्मियों एवं आम नागरिकों ने सहभागिता की और भक्ति भाव से प्रसाद ग्रहण किया। भक्ति और सेवा का अद्भुत संगम। महाराजपुर थाना द्वारा आयोजित इस भंडारे में शिवभक्तों के लिए विशेष रूप से प्रसाद तैयार किया गया था। श्रृद्धालुओं को विभिन्न प्रकार के व्यंजन परोसे गए। इस अवसर पर थाना प्रभारी सहित समस्त पुलिस बल ने सेवा भावना के साथ श्रृद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। शिव आराधना के साथ हुआ आयोजन। भंडारे से पहले महादेव की विशेष पूजा-अर्चना की गई। थाना परिसर में शिव आराधना कर सभी के कल्याण की प्रार्थना की गई। इसके बाद भंडारा शुरू हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रृद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। स्थानीय लोगों ने सराहा आयोजन। महाशिवरात्रि पर महाराजपुर थाना द्वारा किए गए इस विशेष आयोजन को लेकर स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन की सराहना की। आमतौर पर पुलिस की भूमिका कानून व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित रहती है, लेकिन इस बार सेवा और भक्ति का यह अनूठा उदाहरण देखने को मिला। इस अवसर पर महाराजपुर थाना प्रभारी ने कहा कि महाशिवरात्रि शिव भक्ति और सेवा का पर्व है।

खबर संक्षेप

महाशिवरात्रि पर्व पर नगर के नपा के समीप शिव मंदिर सहित अन्य मंदिरों में दिन भर हुआ शिव अभिषेक

गाडरवारा। महाशिवरात्रि के उत्सव को लेकर जहां नगर के सभी शिव मंदिरों में सुबह से ही भक्तों का सैलाब उमड़ते हुये देखा गया, वही दूसरी ओर क्षेत्र के शिव मंदिरों से लेकर आसपास के छोटे बड़े मंदिरों में भी भगवान शिव की पूजा अर्चना दिन भर चलता रहा चलता रहा। वही श्रद्धालाओं ने भगवान शिव पर दूध, दही, घी, शक्कर, मधुरस को मिलाकर पंचामृत तैयार कर पूजा अर्चना कर अभिषेक किया। वही शिव भक्तो ने उपवास कर मंदिरो में जाकर शिवलिंग पर पुष्प, घी, इत्र, धतूरा, मक्खन, बेलपत्र, दूध, गेंहू एवं चना की बाल, बेर आदि चढाकर पूजन किया शिवालयों एवं मंदिरों पर भक्तों की भीड़भाड़ का नजारा देखने को मिला। इसी प्रकार से स्थानीय नगर पालिका परिषद के समीप स्थित शिव मंदिर में भी शिव भक्तों द्वारा जहां शिवजी की आराधना में डूबते हुये शिव अभिषेख करते हुये विशेष हवन पूजन की गई, जिसके चलते इस मंदिर के संस्थापक व कानून गौ बाबू अवधेश पाठक सहित अन्य शिवभक्तों द्वारा मंदिर में पहुंचकर विधि विधान के साथ शिव लिंग का दूध दही के साथ अभिषेख करते हुये नगर व क्षेत्र की खुशहाली के लिये शिवजी से आर्शीवाद मांगा गया। इसी प्रकार से नगर के टी व्ही एस शो रूम के सामने वाले संकट मोचन मंदिर पर भी महिलाओं ने पहुंचकर अभिषेख किया गया। वही दूसरी ओर नगर में अनेक जगहो पर देर रात्रि तक भजन कीर्तन भी चलते हुये देखे गये, वही अनेक जगहों पर साबूदाने की खिचड़ी सहित अन्य प्रकार की प्रसादी वितरित की गई। इस दौरान शिव भक्त अवधेश पाठक द्वारा मौजूद शिवभक्तों को बताया कि वास्तव में शिवरात्रि का पर्व स्वयं परमपिता परमात्मा के सृष्टि पर अवतरित होने की स्मृति दिलाता है, रात्रि शब्द अज्ञान अंधकार से होने बाले नैतिक पतन का घोतक है, परमात्मा ही ज्ञान सागर है, जो मानव मात्र को सत्यज्ञान द्वारा अंधकार से प्रकाश की ओर एवं सत्य से असत्य की ओर ले जाते हैं। भगवान शंकर का पूजन करने से पापो का नाश होता है, घर में सुख समृद्धि होती है।

पशुओं के अवैध रूप से कूरतापूर्वक चल रही परिवहन पर अंकुश लगाने में प्रशासन हो रहा है फेल..

सांईखेड़ा। इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जा रहा है कि आस पास के कस्वा क्षेत्रों में लगने वाले साप्ताहिक मवेशी बाजारों के माध्यम से खुलेआम पशुओं की तस्करी होने की चर्चा आम होती जा रही है। जिसमें बताया जा रहा है कि क्षेत्र में लगने वाले इस मवेशी बाजार में सैकड़ो की संख्या में पशु बिक्री के लिये आते जो कुछ ऐंसे भी पशु होते हैं जिसमें प्रमुख रूप से बैल जो कृषि योग्य नहीं होते व गायें जो दूध देना बंद कर देती हैं उन्हें कुछ दलालनुमा व्यक्ति ऐंसे पशुओं को दलाल कसाईयों को दोगुनी कीमत के माध्यम से पशु मालिकों से खरीदवा देते हैं और पशु मालिक भी थोड़े से पैसों के लालच में जिन्दगी भर घी दूध देने वाली गायों व गर्मी धूप व बरसात के मौसम में मेहनत कर कमाई खिलाने वाले बैलों को इन कसाईयों के हवाले कर देते हैं। जनचर्चाओं में तो यह तक बताया जाता है कि बाजार के दिन बाहर से आने वाले इन कसाईयों के कुछ दलाल गाँव गाँव घूमकर इस प्रकार के बूढ़े पशुओं की खोज करते हुये पशु मालिकों को उन्हें बेचने के लिये उकसाते हुये देखा जा सकता हैं और इन दलालों की बातों में आकर पशु मालिकों का भी लोभ लग जाता है और यह बाजारों में उन पशुओं को लाते हैं और दलालों के माध्यम से बाजार के बाहर ही पशुओं को बेच कर चले जाते हैं जिसका जीता जागता उदाहरण विगत वर्षो में सांईखेड़ा, चीचली व गाडरवारा थाने के अंतर्गत अवैद्य रूप से पशु ले जाने वालों को पकड़कर पुलिस ने सिद्ध कर दिया था। मगर वर्तमान समय में पुलिस की सुस्त कार्यप्रणाली के चलते इस प्रकार के पशु तस्कारों के हौसले बुलंद नजर आ रहे है? इस समय देखा जा रहा है कि क्षेत्र में लगने वाले साप्ताहिक पशु बाजारों के दिन सड़कों व कूररूता पूर्वक पशुओं को भरकर ले जाने वाले गाड़ियों की लम्बी लाईने देखने मिल रही है, इसके बाद भी किसी भी प्रकार की कार्यवाही न होना जहां चिंता का विषय बना हुआ है। वही दूसरी ओर शासन प्रशासन को इस प्रकार के दलालों के माध्यम से हो रही तस्करी पर रोक लगाई जानी चाहिये, आमजन द्वारा तो यह तक आरोप लगाया जाता है कि इस प्रकार के पशुओं की खरीदी कर ट्रकों के माध्यम से पुलिस की ही मिली भगत से बाहर ले जाया जाता है? यह बात कहा तक सत्य है इसे तो भगवान ही जाने? मगर पशुओं की लगातार हो रही तस्करी से पुलिस की कार्य प्रणाली पर प्रश्न चिन्ह लगते हुए नजर आ रहा है?

आंगनबाडियों में मंगल दिवस योजना बदहाल, सक्षम अधिकारियों की कार्यशैली पर खड़े हो रहे सवाल?

सांईखेड़ा। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएँ अपने गंतव्य स्थानो पर पहुंचा तो दी जाती है, किन्तु उसके संचालन के लिए जिन अधिकारियों और कर्मचारियों को जिम्मेदारियां सौंपी जाती है वे पूरी तरह से लापरवाही की भेंट चढ़ जाती है। कुछ ऐसा ही जनपद पंचायत सांईखेड़ा क्षेत्र की अनेक आंगनवाड़ियो मे देखने को मिल रहा है, जहां मंगल दिवस योजना अमंगल दिवस बनती नजर आ रही है? दर असल आंगनवाडी केन्द्रो मे पोषण आहार योजनांतर्गत हर माह के मंगलवार के दिन विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। किन्तु इन कार्यक्रमो में भी जमकर पलीता लगाते हुए जान पड़ रहा है? ग्रामीण क्षेत्रों में जन चर्चाओं के माध्यम से मिल नही जानकारियों के अनुसार अनेक आंगनवाड़ियों में यह योजना, बराबर संचालित नही होती है, जिसमें देखा जावे तो सबसे दयनीय हालत ग्रामीण व दुरस्थ क्षेत्रों के आंगनवाडी केन्द्रों की है जहां न तो विभाग के अधिकारी और न ही कोई कर्मचारी निरीक्षण करने पहुंचता है? ऐसे में नाम मात्र की कार्रवाई कर दी जाती है। इन आंगनवाड़ियों की स्थिति की सच्चाई पर गौर किया जाए तो वे बदहाल स्थिति से जूझ रही है न वहां बैठने की पर्याप्त व्यवस्था है और न ही सामान रखने की है। वही कुछ आंगनवाडी भवनों की हालत जर्जर हो चुकी तो कुछ टूटे मकानों में संचालन हो रहा है। इस तमाम बातो पर ध्यान तो ऐसे में योजनाओं का संचालन कैसा होगा यह स्वयं सिद्ध है, पर्याप्त मात्रा में आने वाली राशि कब और किधर जा रही है इसका कोई पता भी नही, जिन कार्यक्रमों का संचालन किया जाना चाहिए, उसके लिए सामग्री भी नही मिलती ओर मिलती भी है तो गायब हो जाती है। आंगनवाड़ियों के माध्यम से बच्चो, महिलाओं और किशोरी बालिकाओं की देखभाल और उनके स्वास्थ्य मे सुधार लाने के लिए जो तैयारियां की गई है उसमे दिल चस्पी ना तो आंगनवाड़ियो की कार्यकर्ता और सहायिकाओं में है और ना ही अधिकारियों मे, आंगनवाडियों मे मंगल दिवस योजना पोषण आहार योजना वर्ष 2007-08 के तहत बनाई गई है, जिसके तहत हर माह के मंगलवार को अलग अलग कार्यक्रम करना है, प्रथम मंगलवार को गोद भराई, दूसरे मे अन्न प्राशन, तीसरे मे जन्म दिवस और चौथे मंगलवार को किशोर बालिका दिवस मनाना है। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चो की उपस्थिति बढ़ाना, सुरक्षित प्रसव, मातृ एवं शिशु मृत्युदर मे कमी कुपोषण कम करना, किशोरी बालिकाओ को आयरन फोलिक ऐसिड व डी वार्मिंग की गोलिया वितरण करना है।

कांटा लगे न कंकर जय जय शिव शंकर... के जयघोष से गूंजा डमरूघाटी शिवधाम

गाडरवारा

इस वर्ष विशेष शुभ संयोगों में त्रियोदशी व श्रृष्टि में प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश जी का प्रिय दिवस बुधवार के दिन पड़ा महाशिवरात्रि पर्व के चलते क्षेत्रवासियों में हर्षोल्लास के साथ भगवान भोले नाथ की पूजन करते हुए देखा गया। बताया जाता है कि इस वर्ष कल बुधवार को शिव योग होने से महाशिवरात्रि पर्व विशेष शुभ फलदायी होने से शहर का वातावरण पूरी तरह शिवमय हो गया था और सुबह से व्रत रखने वाले शहर व आस पास के गांवों के निवासी भगवान भोलेनाथ की पूजा, आराधना करने में लीन हो गए थें। जिसके चलते शहर के झंडाचौक, पानी की टंकी के पास, रेलवे स्टेशन क्षेत्र में भगवान शिव की पूजा सामग्री की दुकानें लगी होने के साथ शहर का बाजार पूरी तरह से गुलजार था। वही महाशिवरात्रि के त्यौहार के पावन अवसर पर घरों में व्रत रखने वाली महिलाओं, पुरूषों, युवाओं ने श्रद्धाभाव से भगवान शिव का पूजन, अभिषेक, हवन कर भगवान पशु पतिनाथ से अपने परिवार जनों की सुख, समृद्धि का आशीष ग्रहण किया। वही नगर के शक्कर नदी के छिड़ावघाट के पास स्थित शिव मंदिरो नलकूप विभाग, चीचली रोड, विजय कालोनी, नर्मदा कालोनी, इंदिरा कालोनी, पुराने आर ई एस कार्यालय के पास स्थित शिव मंदिर, चन्द्र केशर कालोनी के शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुँच भगवान शिव के दर्शन, पूजन कर धर्मलाभ प्राप्त किया। इसी प्रकार का आलम समीपस्थ पौड़ार तिरहा स्थित शिव मंदिर में देखने मिला। वही महाशिवरात्रि पर्व पर नगर के शिव मंदिरो में जहां दिन भर भजन, कीर्तिन, सामूहिक रूद्राष्ठक पाठ, भंडारे के कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा पानी की टंकी के पास स्थित गायत्री शक्तिपीठ में श्रद्धालुओं ने भगवान शंकर का पूजन, अभिषेक कर धर्म के प्रति अपनी गहरी आस्था का परिचय दिया। इस प्रकार से महाशिवरात्रि पर्व पर देश, प्रदेश में विख्यात डमरूघाटी शिवधाम में सुबह से श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़नें की शुरूआत हो गयी थी जिसके चलते बताया जाता है कि डमरूघाटी शिवधाम में शहर और क्षेत्र के गांवो से पहुंचे लगभग एक लाख से भी अधिक श्रद्धालुओं ने डमरूघाटी में विराजे साक्षात शिव के दर्शन कर उनकी पूजन, अभिषेक, वंदना, आरती कर भगवान शिव का आर्शीवाद ग्रहण किया। इसी प्रकार से सुबह के भक्त शुभ मुहुर्त में अनेक भक्तों द्वारा भी शिवधाम पहुंचकर शिव अभिषेख किया गया। वही अनेक शिव भक्तों ने जुलूस के साथ शिवधाम पहुंचकर भगवान को त्रिशूल और झंडे व त्रिशूल अर्पित किये गये तथा नगर की शक्कर नदी पुल के नीचे भरे विशालतम पांच दिवसीय महाशिवरात्रि मेले में भी भारी संख्या में लोग पहुंचे, जिसमें बच्चों के मनोरंजन के लिए झूलें, चकरी, मौत का कुऑ, मनिहारी, गृहस्थी के समान, धार्मिक पुस्तकों, पूजन सामग्री की दुकानें सजी हुई थी, जिन पर भीड़ भाड़ का आलम नजर आ रहा था। वही दूसरी ओर उक्त मेले में जन उत्साह के अनूठे नजारे देखने में आ रहे थे एवं उसके परिदृष्यों में रंगीनियां घुली मिली प्रतीत हो रही थी। क्योंकि महाशिवरात्रि पर भरने वाले इस मेले की प्रशासन द्वारा संपूर्ण मेले का आयोजन पुल के नीचे शक्कर नदी में लगवाते हुये जो व्यवस्थाये बनाई गई है उसकी लोगों द्वारा जहां सराहना की जा रही है। वही दूसरी ओर आने वाले वर्षो में इस मेले के स्वरूप में इजाफा होने की संभावना से भी इंकार नही किया जा सकता है? गौरतलब है कि शक्कर नदी रेत में महाशिवरात्रि का भरा मेला अभी 2 दिन तक और भरने की संभावना जताई जा रही है, जिससे अनुमान है कि डमरू घाटी शिवधाम में आगामी दिनों में भगवान शिव के दर्शन करने, मेला घूमने का आनंद लेने लाखों श्रद्धालु पहुँचेंगें, जिसमें आज जहां शिवरात्रि के अवसर पर व्रत रखने वाले शिव भक्त पूजन करने के लिए पहुंचेगे वही दूसरी ओर कल शुक्रवार होने के चलते जन समुदाय उमड़ने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? विदित हो कि महाशिवरात्रि पर्व पर शक्कर नदी में भरे मेले में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के मद्देनजर डमरूघाटी समिति, नपा. प्रशासन, गाडरवारा व पलोहा पुलिस सहित अन्य शासकीय विभागों ने बेहतर प्रबंध किए है और सामाजिक संस्थाओं की ओर से श्रद्धालुओं को शुद्ध पेयजल, प्रसाद वितरण की विशेष व्यवस्था की गई थी। वही दूसरी ओर पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी शिव भक्तों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए जिस प्रकार से वाहन पार्किंग व्यवस्था के साथ अन्य व्यवस्था व पुलिस की चौकसी की गई थी निश्चित ही सराहनीय है, जिसमें देखा गया कि गाडरवारा उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा सहित गाडरवारा थाना प्रभारी विक्रम रजक द्वारा दिन भर संपूर्ण मेले में पैदल भ्रमण करते हुए बदमाशी करने वाले मनचलों पर पैनी नजर रखे हुए थें। वही दूसरी ओर अधीक्षक मृगाखी डेका के आलवा अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक भी मेला स्थल से लेकर पार्किंग स्थलों के आलवा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले शिव मंदिर में अपनी ओर से लगातार गस्त करते हुए देखे गये। कुछ इसी प्रकार से नगर पालिका अधीक्षक शिवाकांत मिश्रा सहित मुख्य नगर पालिका अधिकारी वैभव देशमुख भी मेले में उमडते हुए जन सैलाब की व्यवस्थाओं को अच्छें से संभालने के लिए अपने अधिनस्थ कर्मचारियों व अधिकारियों को लगातार दिशा निर्देश देते हुए दिखाई दे रहे थें। कुछ इसी प्रकार से क्षेत्र के ग्रामीण अंचलो से मिली खबरो के अनुसार गांवो में भी महाशिवरात्रि का पर्व आस्था, श्रद्धा, उल्लास से मनाया गया है और शिव मंदिरों में समाचार लिखे जाने तक शिव भक्तों की काफी भीड़ देखने मिल रही थी, जिसके चलते नगर के डमरूघाटी पर तो समाचार लिखे जाने तक जन सैलाब उमड़ते हुए देखा जा रहा था।

देवाधिदेव महादेव संग जगतजननी माँ पार्वती की बारात में जमकर नाचे बाराती तो महिलाओं ने गाये विवाह गीत

गाडरवारा। वैसे तो शिवरात्री के पावन अवसर पर सभी मंदिरों में शिव आराधना सहित अनेक प्रकार के कार्यक्रम आयोजित होते हुये देखे गये। मगर जिस तरह नगर के रायल गणेश उत्सव समिति एवं नर्मदाकालोनी के शिवभक्तो द्वारा देवाधिदेव महादेव संग जगत जननी माँ पार्वती का विवाह रचाया गया है वह संपूर्ण शहर में सिर्फ चर्चा का विषय ही नही बल्कि नगर के इतिहास में इस तरह का आयोजन लगातार दूसरे साल भी देखने मिला है तो दूसरी ओर जब देवाधिदेव की बारात निकाली गई तो पुरूषों के साथ साथ महिलाओं भी नीलकंठ धारी की बारात में मस्त होकर नाचने से नही चूक पा रही थी। इस तरह देवाधिदेव महादेव संग जगत जननी माँ पार्वत के विवाह आयोजन को लेकर शंकर मंदिर एवं नर्मदा कालोनी परिवार द्वारा शुभ विवाह के आमंत्रण पत्र छपवाने के बाद शहर में वितरण करते हुये लोगों को आमंत्रित किया गया तो दूसरी ओर वर पक्ष के स्थान पर देवाधिदेव महादेव शंकर मंदिर नर्मदा कालोनी संग बधु पक्ष जगत जननी माँ पार्वती का निवास घर रहा। वही इस अनोखी शादी के कार्यक्रम के तहत 24 फरवरी सोमवार को हल्दी व मंडप का कार्यक्रम आयोजित किया गया तो 25 फरवरी मंगलवार की रात महिला संगीत तथा मेंहदी के आयोजन के दौरान महिलाओं द्वारा विवाह गीत गाते हुये संपूर्ण दृश्य को मनोरमी बनाने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी। वही वितरित की गई विवाह आमंत्रण पत्रिका के अनुसार बारात एवं पाणिग्रहण संस्कार व प्रसादी 26 फरवरी यानि की महाशिवरात्री के मौके पर शाम 5 बजे से कार्य स्थल शंकर मंदि नर्मदा कालोनी में रखा गया था। इस प्रकार से भगवान भोलेनाथ की बडे ही धूमधाम के साथ नर्मदा कालोनी शिव मंदिर से निकलते हुये शासकीय चिकित्सालय मार्ग से होते हुये पलोटन गंज से वापिस नर्मदा कालोनी स्थित शिव मंदिर पहुंचकर जहां पर देवाधिदेव महादेव संग जगत जननी माँ पार्वती का विवाह कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस तरह जब भोले नाथ की यह बारात वर पक्ष के घर से रवाना हुई तो बारात में शामिल होने वाले महिला पुरूषों की इस तरह भीड़ देखने मिली कि मानो संपूर्ण नर्मदाकालोनी वासियों द्वारा सुबह से ही यह मन बना लिया था कि कही हम भोले नाथ की बारात में शामिल होने से बंचित न हो जावे और बड़े ही धूमधाम के साथ यह बारात नर्मदा कालोनी शंकर मंदिर से निकलकर जब बधु पक्ष के यहां पहुंची तो माता पार्वती के परिवार जनों द्वारा बर पक्ष का धूमधाम के साथ स्वागत करते हुये भोले नाथ व माँ पार्वती की शादी संपन्न कराने के लिये मौजूद पंडितो द्वारा विधि विधान के साथ मंत्रों का उच्चरण करते हुये विवाह संपन्न कराया गया। इस तरह नगर में पहली बार आयोजित हुआ यह अनोखा आयोजन संपूर्ण नगर ही नही बल्कि क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

तूमड़ा में रूद्र नव कुण्डीय महायज्ञ में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर ले रहे पुण्य लाभ

सांईखेडा। समीपस्थ ग्राम तूमड़ा क़े शिव मंदिर बाजार प्रांगण मे श्री श्री 1008 अनंत विभूति महामंडलेश्वरश्री रामदास त्यागी जी टाटम्बरी सरकार क़े सानिध्य एवं महंत ध्रुवदास त्यागी तथा सियाराम दास त्यागी की सहभागिता मे 17 फरवरी से प्रारम्भ हुए शिव प्राण प्रतिष्ठा एवं श्री रूद्र नवकुण्डीय महायज्ञ मे अनेक धर्मप्रेमी श्रद्धालु शामिल होकर पुण्य लाभ ले रहे हैं। वही दूसरी ओर गाँव मे धार्मिक आयोजन क़े होने से माहौल धर्ममय बना हुआ हैं। यज्ञ मे प्रतिदिन श्रद्धालु यज्ञ शाला की परिक्रमा एवं पूजन अर्चन करते हुये पुण्य लाभ अर्जित करते हुये देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर प्रतिदिन प्रवचन दौरान भी भारी जनसमुदाय उमड़ते हुये पुण्य लाभ लेने से नही चूक रहे है। बताया जाता है कि इस आयोजन में मुख्य रूप से प्रवचन कार्यक्रम मे चित्रकूट से शामिल हुई साध्वी नीलम गायत्री ने कहा कि भगवान शिव सृष्टि क़े भाग्य विधाता हैं। यदि कोई उनका अभिषेक एवं उनकी आराधना करने से बड़े से बड़े संकट टल जाते हैं। हमें अपने बच्चों को भी धार्मिक संस्कारो से अवगत कराना चाहिये। प्रवचन कार्यक्रम मे बाँदा से आये कथा वाचक रामगोपाल तिवारी ने कहा कि भगवान शिव की महिमा अपरमपार हैं। रोज शिवलिंग पर एक लोटा जल जरुर चढ़ाना चाहिए। वही लगातार एक सप्ताह से जारी इस रूद्र यज्ञ का आज 27 फरवरी को यज्ञ महाप्रसादी से महायज्ञ का समापन होगा।

आज भी आदिवासी पुस्तैनी धन्धे से कर रहे हैं अपना जीवन यापन

हरिभूमि न्यूज/ सिंहपुर छोटा। केन्द्र व प्रदेश की सरकारो द्वारा भले ही आदिवासियों के उत्थान अनेकों जनकल्याणकारी योजनायें चलाकर उनको लाभान्वित करने की बात कही जा रही है, मगर सच्चाई पर गौर किया जावे तो आज भी आदिवासियों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ न मिलने पर वे पूर्वजों के समय से चल आ रहे पुस्तैनी धन्धा करके अपना जीवन यापन करने को मजबूर है,इस बात की सच्चाई इस समय समीपस्थ ग्राम गोटीटोरिया वनांचल क्षेत्र में देखने मिल रही है, जहां पर आज भी आदिवासी प्रति रविवार गाडरवारा आकर बाबेर, लाठी, झाडू, माहौल के पत्ता बेच कर रहे है, इन आदिवासियों को कई किलो मीटर वन क्षेत्र से पैदल चलकर ग्राम गोटीटोरिया से बस में भाड़ा देकर गाडरवारा बेचने आना पड़ता है,जो प्रत्येक रविवार को नगर में आने वाले आदिवासी द्वारा माहौल का पत्ता जिससे दोना पत्तल बना करते थें, मगर अब इन पत्तो से निर्मित होने वाले दोना पत्तलों की जगह कागज ने ले ली गई है जिसके चलते अब इन पत्तलों का उपयोग मात्र पान दुकानों पर होते हुए देखा जा रहा है, जिसके चलते इनकी पूछ परख में कमी देखने मिल रही है। मगार इसके बाद भी बाजार में उनको माहौल पत्ता का मरका जिसमें 80 से लेकर 100 जुन्डी पत्ता की रहती है 150 रूपया तथा कावर जिसमें 200 से 250 माहौल पत्ता की जुन्डी रहती है 200 रूपया से लेकर 250 रूपया विका करता है जिसके चलते इतनी मेहनत के बाद चंद रूपया में बिकने वाले इन पत्तों के भरोसे ही यह लोग अपना जीवन काटने के लिए मजबूर देखे जा रहे है, ये आदिवसी ग्राम कौआआम, बरियाढाना, भिलमाढाना, चारगांव एवं छिंदवाड़ा जिले से लगी वार्डर से तक यहां पर पहुंचते है।

गन्ना फसल में मजदूरों द्वारा आग लगाकर की जाने वाली कटाई पर प्रतिबंध जरूरी

गाडरवारा

इस समय क्षेत्र में संचालित होने वाले शुगर मिलों द्वारा किसानों के खेतों से गन्ना कटाई का कार्य करने के लिये बाहर यानि की दूसरे प्रांतों से टीमे बुलबाई गई है जो शुगर मिलों द्वारा किसानों से खरीदे गये गन्नों को खेतों पर पहुंचकर कटाई कार्य करने में लगी हुई है, मगर इन टीमों द्वारा सिर्फ अपनी सुविधाओं का ध्यान रखते हुये जिस प्रकार से गन्ना फसल में पहले आग लगाने के बाद की जा रही कटाई के चलते जहां किसान को गन्ने के बजन व गन्ना के पत्तों से प्राप्त होने वाली खाद से हाथ धोना ही पड़ रहा है, वही दूसरी ओर इन मजदूरों अपने स्वार्थो को ध्यान में रखते हुये किये जा रहे कृत्य से क्षेत्र के पर्यावरण में प्रदूषण फैलने से भी नही चूक रहा है, मगर इस ओर न तो अधिकारियों द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान दिया जा रहा है और न ही शुगर मिलों के संचालकों द्वारा जिसके चलते इन मजदूरों के हौसले सातवे आसमान में दिखाई देने से नही चूक पा रहे है और वह धडल्ले से गन्ना के खेतों में आग लगाते हुये उसकी कटाई करने में लगे हुये देखे जा रहे है। बताया जाता है कि इस प्रकार से गन्ना फसल में आग लगाने के बाद की जाने वाली कटाई के दौरान इन मजदूरों को मेहनत कम करना पड़ती है और एक दिन में अधिक गन्ना की कटाई कर लेते है? मगर इस प्रकार से आग लगाकर की जाने वाली कटाई से निश्चित तौर से गन्ने का रस सूख जाने के कारण जहां उसका वजन प्रभावित होता है उसके चलते किसान को क्षति का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ता है, वही दूसरी ओर खेत में आग लगने के कारण जमीन की उर्वराशक्ति को भी क्षति पहुंचने के साथ साथ जमीन के अंदर रहने वाले अनेक जींव वेमौत मारे जाने से नही बच पाते है। इतना ही नही गन्ने की फसल में लगाई जाने वाली आग के चलते संपूर्ण क्षेत्र में उड़ने वाली कालिख के कारण वातावरण को भी प्रदूषित करने से नही चूकता है, वही दूसरी ओर गन्ने की फसल में लगाई जाने वाली आग से कभी कभी स्थिति इस प्रकार से बन जाती है कि उसी खेत के पास यदि दूसरे किसान का गन्ने की फसल वाला खेत रहता है तो वह आग दूसरे किसान की गन्ना फसल को अपनी चपेट में लेने से भी नही चूकती है जो विवाद को कारण निर्मित हो जाता है? इतना ही नही इस प्रकार के कृत्य से अनेक हरे भरे वृक्ष भी आग की चपेट में आने के कारण सूखने से नही बच पाते है, जिसके चलते क्षेत्रवासियों द्वारा इस प्रकार से गन्ना फसल में आग लगाकर की जाने वाली कटाई को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों से तुरंत प्रतिबंध लगाने की मांग की जा रही है।

ग्रामीण क्षेत्रों में समय पर बिजली बिल नहीं मिलने से परेशान हो रहे उपभोक्ता

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा बिजली उपभोक्ताओं से बिजली बिलों की बसूली को लेकर सख्ती बरती जा रही है। मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि बिजली विभाग की लापरवाही के चलते बिजली उपभोक्तओं को समय पर बिजली बिल नही मिलने की स्थिति में वह अपने बिलों का समय पर भुगतान नही कर पाने के कारण जबरन उनसे लेट बिल जमा करने का दंड बसूलना कहा तक उचित है? इस संबंध में ग्रामीणों का कहना है कि बिजली बिलों का वितरण होना अब बंद हो चुका है और बिजली विभाग द्वारा मोबाईल के माध्यम से बिल भेजे रहे है। इस स्थिति में अनेकों पर ग्रामीण उपभोक्ताओं के मोबाईलों पर बिजली संबंधी सूचना नही आती है और ग्रामीण जन इतने पढे लिखे भी नही होते है जो अंग्रेजी में आने वाले बिल को पढ सके इस हालत में ग्रामीणजन अपना बिल जमा करना भूल जाते है। इस संबंध में ग्रामीण क्षेत्रों में लाईन मेन द्वारा किये जाने की जगह आम नागरिकों को थोंक के पाव में बिलो की सूचना थमा दी जाती है और कह दिया जाता है कि वह सभी को बिलों की सूचना वितरण कर दे। मगर इस स्थिति कि चलते स्थिति यह बनती है कि यह बिल समय पर उपभोक्ताओं के पास नही पहुंचने के कारण जहां व समय पर बिलों का भुगतान नही कर पा रहे है, जिसके चलते या तो उनके बिजली कनेक्शन कट जाते है या फिर उनसे बिजली विभाग द्वारा समय पर बिल जमा नही किये जाने की बात को लेकर अंतिरिक्त दंड स्वरूप बिलों की अदायगी कराये जाते हैं? यही हाल दूर संचार विभाग का भी देखा जा रहा है जो आम लोगों से अपने बिलों का वितरण कराये जाने के कारण समय पर उपभोक्ताओं को देयक बिल नही मिलने के कारण वह परेशान होते हुए देखे जाते है? अब सबाल यह उठता है कि जब विभाग की लापरवाही के चलते जब समय में उपभोक्ताओं को बिल नही मिल रहे है तो वह बिलों को समय पर जमा नही कर पाने में दोषी कैसे हो गया जिसके चलते उसे अतिरिक्त राशि दंड स्वरूप जमा करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

सरकारी बैकों में दलालों का राज, ग्रामीणों का नहीं होता बगैर पैसों का काज

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। प्रदेश व केन्द्र सरकार द्वारा ग्रामीण कस्बे में निवास करने वाले किसानों के लिए अनेक प्रकार की योजनाए चलाई जा रही है, जिसमें प्रमुख रूप से किसान क्रिडिट कार्ड, फसल बीमा योजना आदि शामिल है, किसानों को इन योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए सरकार द्वारा शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकों की शाखाएं खोली गई है। मगर अक्सर देखा जाता है कि इन बैकों में बैठे अधिकारियों की मनमानी के चलते किसानों को शासन की योजनाओं का सही लाभ नही मिल पा रहा है, इसका उदाहरण इस समय शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित बैंक में देखा जा रहा है। जहां पर क्षेत्र के किसानों द्वारा आरोप लगाते हुए बताया है कि इन बैकों के अंतर्गत आने वाले ग्रामों के किसान बैंक के चक्कर लगाने पर मजबूर हो रहे है? क्षेत्र के कुछ किसानों ने हमारी हरिभूमि टीम से चर्चा करते हुए बताया किइन दिनों क्षेत्र की बैंकों में कुछ दलाल काम कराने की दिशा में सक्रिय है। वही किसान अपना किसान क्रेडिट कार्ड अन्य कार्यो के लिए परेशान होते देखे जा रहे है? जिसमे क्षेत्र के कुछ ग्रामीण किसान जो कि खेती किसानी कर अपनी जीविका चलाते आ रहे है, वही किसान क्रेडिट कार्ड को बनवाने के लिए गांव से चलकर शहर पहुंचता है तो अधिकारियों द्वारा उसे कार्ड बनबाने के लिए सीधे दलालों के पास जाने की सलाह दे देते है? जब वह उनके पास पहुचता है तो सीधे 10 से लेकर 20 प्रतिशत राशि की बात पर ही कार्ड बनाने की बात कही जाती है, इस स्थिति में जब किसान अधिकारियों से चर्चा करते है तो बैकों अधिकारियों द्वारा उस किसान को महिनो तक घुमा घुमाकर परेशान कर दिया जाता है, इस स्थिति में या तो किसान अपना कार्ड बनबात ही नही है या फिर उसे मजबूरी में बैकों द्वारा पाले गये दलालों की शरण में ही जाना पड़ता है? इस प्रकार के दलाल शहरों की बैको से लेकर ग्रामीण बैकों में आसानी से देखने मिल सकते है, जो अधिकारियों के बंगलों से लेकर तहसील कार्यालय में मजबूर किसानों को खोजते फिरते है?

खबर संक्षेप

मधुमक्खी के काटने से वृद्ध महिला की उपचार के दौरान मौत, युवक

गंभीर रूप से घायल

अनूपपुर। कोतवाली थाना अनूपपुर अंतर्गत पिपरिया गांव में मोड़ के पास केल्हौरी गांव से कांसा गाव रिश्तेदारी में जा रही 58 वर्षीय वृद्ध महिला सिया बाई चैधरी पति गोजवा चैधरी पर एवं मोटरसाइकिल चालक जितेंद्र चर्मकार पिता कमलेश पर अचानक एक पेड़ से उड़ कर आई मधुमक्खियो के समूह ने हमला कर दिया जिससे सिया बाई चैधरी की अस्पताल अनूपपुर मे उपचार दौरान मृत्यु हो गई जबकि जितेंद्र चर्मकार निवासी कांसा को भी शरीर के कई हिस्सों में मधुमक्खियो के समूह द्वारा काटे जाने पर गंभीर स्थिति में जिला अस्पताल अनूपपुर में उपचार हेतु भर्ती किया गया है ड्यूटी डॉक्टर की सूचना पर जिला अस्पताल पुलिस द्वारा परिजनों की उपस्थिति में मृतिका के शव का पंचनामा कर पीएम कराने बाद अंतिम संस्कार हेतु परिजनों को सौपा गया।

बोलेरो पलटने से युवक की दर्दनाक मौत

कोतमा। क्षेत्र में सड़क हादसे में कोई कमी नहीं आ रही है।बुधवार महाशिवरात्रि के दिन फिर एक बोलेरों पलटने से हुए सड़क हादसे के बाद चालक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। वाहन में सवार छोटे भाई को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बारे में बताया जाता है कि बुधवार को लामा टोला निवासी वेद प्रकाश पटेल 21 वर्ष पिता विनोद पटेल जो अपनी नई बोलेरो की पूजा कराने से पूर्व धोने की तैयारी कर रहा था और दूसरे टोला शैंपू के लिए घर से निकला था। वापस आने के दौरान मुरधवा टोला के पास अनियंत्रित गति होने से मोड में पलट गई। दुर्घटना होने के बाद आसपास के रहवासियों द्वारा दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में भर्ती कराया गया जहां वेदप्रकाश 21 वर्ष की उपचार के दौरान मौत हो गई। डॉक्टर के अनुसार युवक के सिर में गंभीर चोट सहित पीठ की हड्डी टूटने व शरीर के अंदरूनी हिस्सों में चोट आई थी। दूसरे घायल 14 वर्षीय छोटे भाई को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है जिसका उपचार जारी है। घटना की सूचना पर पुलिस ने शव पंचनामा कार्यवाही करते हुए मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। एक माह पूर्व नई बोलेरो लाई गई थी जो कि बुधवार शिवरात्रि होने के कारण पूजा होनी थी जिसको लेकर वेद प्रकाश अपने छोटे भाई के साथ शैंपू लेने गया और उक्त दर्दनाक हादसा हो गया विदित रहे कि कोतमा थाना अंतर्गत हर तीन दिनों के अंतराल में गंभीर सड़क हादसे की घटनाएं सामने आती रहती हैं।

डूब क्षेत्र में निर्माण कार्यों में लगाई गई रोक को हटाया जाये

डिंडौरी- जनपद पंचायत मेहंदवानी के अंतर्गत ग्राम कुटरई माल में प्रधानमंत्री आवास निर्माण कार्य कराने की अनुमति प्रदान करने के संबंध में आवेदन पत्र ग्रामीणों द्वारा मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्टर को दिया गया है। ग्रामवासियों ने आवेदन में लेख किया है कि कार्यालय कलेक्टर भू-अर्जन शाखा द्वारा 05 जुलाई 2024 के जारी आदेश में अपर नर्मदा परियोजना बसनिया अंतर्गत डूब से प्रभावित ग्रामो में भूमियों के संब्यवहार एवं सरंचना निर्माण पर रोक लगा दी गई थी। हमारा ग्राम नीचे कुटरई माल बैगा जनजाति एवं अनुसूचित जनजाति बाहुल्य ग्राम है।

कलेक्टर नेहा मारव्या की प्रशासनिक कसावट से लापरवाह और भ्रष्ट अधिकारियों में घबराहट

डिंडौरी जिले की नवागत कलेक्टर नेहा मारव्या अस्त-व्यस्त प्रशासनिक तंत्र में ला रही कसावट

बुनियादी और प्रभावी निर्णयों से उड़ी लापरवाह और भ्रष्ट अधिकारियों की नींद

डिंडौरी ।

आदिवासी बाहुल्य डिंडौरी जिला वर्षों से विकास की दौड़ में पिछड़ा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना और सामाजिक न्याय जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जिले को अब भी व्यापक सुधार की आवश्यकता है। प्रशासनिक स्तर पर अक्सर अनियमितताओं, भ्रष्टाचार और लापरवाही की शिकायतें सामने आती रही हैं। हाल ही में जिले की नई कलेक्टर के रूप में नियुक्त हुईं नेहा मारव्या ने प्रशासनिक तंत्र को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए कई प्रभावी निर्णय लिए हैं । उनकी कड़ी निगरानी और सख्त रवैये से लापरवाह एवं भ्रष्ट अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। दरअसल जिले के लोगों का ऐसा मानना है कि राज्य सरकार द्वारा यहां अक्सर अनुभवहीन अधिकारियों को पदस्थ किया जाता है, जो जिले को प्रयोगशाला के तौर पर उपयोग करते हैं, जिससे डिंडौरी जिला समावेशी विकास की मुख्यधारा से भटका हुआ है, विकास की बड़ी बड़ी बातें और दावे, आंकड़े महज नेता,मंत्री, मुख्यमंत्री, के मंचों और विभागीय दस्तावेजों में दफन है। 2011 बैच की आईएएस अफसर नेहा मारव्या शासन में कई महत्वपूर्ण पदों पर रही हैं, फिलहाल नेहा मारव्या बतौर कलेक्टर डिंडौरी जिले में बेहतर काम कर रही हैं, कलेक्टर ने प्रशासनिक कसावट करते हुए अधिकारी कर्मचारियों की जवाबदेही तय करने के लिए नीतिगत निर्देश दिए हैं।

- प्रभावी प्रशासनिक फैसलों से आई नई ऊर्जा-

कलेक्टर नेहा मारव्या ने पदभार ग्रहण करते ही जिले के विकास कार्यों की समीक्षा शुरू कर दी। उनकी प्राथमिकता है कि सभी सरकारी योजनाओं का लाभ सही हकदारों तक पहुंचे और प्रशासनिक स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार पर लगाम कसी जाए। उन्होंने जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि लापरवाही और भ्रष्टाचार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। कलेक्टर नेहा मारव्या के निर्देश पर शासन द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केंद्र, समस्त स्कूल, स्वास्थ्य केंद्रों सहित तमाम दफ्तरों में कलेक्टर सहित तमाम जिम्मेदार अधिकारियों के फोटो मय मोबाईल नंबर प्रदर्शित किए गए हैं। यदि जिले में कही भी किसी भी तरह से नागरिकों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा हैं तो आम नागरिक भी इसकी सूचना कलेक्टर को दे सकते है। सूत्रों के अनुसार, कलेक्टर ने अब तक कई विभागीय बैठकों में उन अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई है, जो अपने कार्यों में लापरवाही बरत रहे थे। उन्होंने विकास कार्यों की धीमी गति पर नाराजगी जताई और इसे तत्काल गति देने के आदेश दिए है।

- अचानक निरीक्षण से मचा हड़कंप- कलेक्टर नेहा मारव्या की कार्यशैली का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने पदभार ग्रहण करने के साथ एक सप्ताह के भीतर कई विभागों का औचक निरीक्षण किया। विभिन्न सरकारी दफ्तरों, अस्पतालों, स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में उनके अचानक पहुंचने से लापरवाह अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप की स्थिति हैं। कई जगहों पर उन्हें खामियां भी मिलीं, जिन पर उन्होंने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

- स्वास्थ्य और आंगनबाड़ी केंद्रों का सघन निरीक्षण - जिला अस्पताल सहित अन्य स्वास्थ्य केंद्रों व आंगनबाड़ी केंद्रों निरीक्षण करते समय कलेक्टर ने अव्यवस्थाओं को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई और मरीजों तथा महिला एवं बच्चों को बेहतर सुविधाएं देने के निर्देश दिए। पदभार ग्रहण करते ही कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग की बैठक लेते हुए आंगनबाड़ी केंद्रों की रिपोर्ट तलब की थी, इसके साथ ही स्वास्थ्य केंद्रों की संचालन एवं स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर कलेक्टर संवेदनशील है।

- शिक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने जिम्मेदारों को निर्देश - स्कूलों की स्थिति का जायजा लेने के दौरान उन्होंने शिक्षकों की उपस्थिति, छात्रों को दी जा रही सुविधाओं और शैक्षणिक स्तर की भी समीक्षा की। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि शिक्षा की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

- अनुपयोगी स्थलों पर कार्य करने वालों से होगी वसूली - जिले में अनुपयोगी स्थलों में महज ढांचा बनाकर सरकारी राशि का बंदरबांट करने के अनेकों मामले हैं, जिनके निर्माण में लाखों करोड़ों रुपए व्यय किए गए हैं, लेकिन अनुपयोगी स्थलों या गुणवत्ताहीन निर्माण कार्यों के चलते लक्षितों को लाभ नहीं मिलता है। ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं के तहत कराए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर नेहा मारव्या ने साफ कहा कि भ्रष्टाचार या अनियमितताओं की शिकायत मिलने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। डिंडौरी जिले में पहली बार आरईएस विभाग द्वारा कराए गए अमृत सरोवर निर्माण कार्यों की अनुपयोगीस्थलों पर स्वीकृत करने वाले तकनीकी अधिकारियो से आरसीसी के तहत वसूली प्रकरण पेश करने के निर्देश जिला पंचायत सीईओ को दिए हैं।

- देश में सबसे क्यों पिछड़ा डिंडौरी जिला .. ?- आर्थिक जातिगत जनगणना के अनुसार विकास के पैमाने पर डिंडौरी जिला पूरे देश में सबसे पिछड़ा हुआ माना जाता है, ऐसा नहीं है कि जिले के विकास के नाम पर सरकारों ने कोई काम नहीं किया है, केंद्र और राज्य सरकार द्वारा विकास के नाम पर करोड़ों अरबों रुपए पानी की तरह बहाने के बावजूद धरातल में हालात नहीं बदले..? इसका मुख्य कारण नीतिगत कार्ययोजना में लापरवाही और भ्रष्टचार को माना जा सकता है, शिक्षा, स्वास्थ, सिंचाई, जैसे क्षेत्रों में निर्मित ढांचागत निर्माण महज आज भी सफेदहाथी साबित हो रहे हैं.. जिनका लाभ निर्माण के दशकों बाद भी आम जनता को नहीं मिला है, रोजगार सृजन न होना,कृषि उत्पादन में धीमी वृद्धि, कमजोर शैक्षणिक व्यवस्था, और धीमी आर्थिक विकास के चलते डिंडौरी जिला दुर्दशा का शिकार हैं..? लोक और तंत्र की सामूहिक सहभागिता से समावेशी विकास की राह पर बढ़ते हुए डिंडौरी की तस्वीर बदली जा सकती हैं।

भ्रष्ट और लापरवाह अधिकारियों में मची खलबली- कलेक्टर नेहा मारव्या की कार्यशैली से वे अधिकारी और कर्मचारी खासे परेशान हो गए हैं, जो जनता के विकास के नाम पर अपनी झोली भरते हुए कमाई करते हुए कामचोरी और भ्रष्टाचार में लिप्त थे। जिले में प्रशासनिक स्तर पर फैली लचर व्यवस्था को सुधारने के लिए उन्होंने स्पष्ट संदेश दे दिया है कि अब लापरवाही की कोई जगह नहीं होगी। कलेक्टर नेहा मारव्या के प्रयासों से जिले की जनता को अब यह उम्मीद जगी है कि डिंडौरी का प्रशासन अधिक जवाबदेह और पारदर्शी बनेगा। अगर इसी तरह प्रशासनिक कसावट जारी रही, तो निश्चित ही जिले को विकास की नई राह पर ले जाया जा सकता है।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने छांटा और सरई स्वास्थ्य केंद्रों का किया निरीक्षण

डिंडौरी न्यूज।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने जनपद पंचायत समनापुर में ग्राम पंचायत छांटा और सरई में स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहनी सिंह, वनमंडलाधिकारी श्री पुनीत सोनकर,अपर कलेक्टर श्री सुनील शुक्ला,एसडीएम डिंडोरी सुश्री भारती मेरावी , सीएमएचओ डॉ रमेश मरावी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, ओपीडी, दवाई उपलब्धता,जाँच उपकरण,दवाई वितरण, प्रसव कक्ष, एएनसी स्थिति, टीकाकरण,स्टॉक रजिस्टर सहित अन्य स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने स्वास्थ्य केंद्रों में फोटोयुक्त स्टाफ परिचय पटल का निरीक्षण किया। उपस्वास्थ्य केंद्र छांटा में कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया, इस दौरान कलेक्टर श्रीमती मारव्या और पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहनी सिंह ने उपलब्ध जाँच उपकरण के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने केंद्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को दुरुस्त रखने के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने सरई में उपस्वास्थ्य केंद्र के लिए नवीन भवन का निरीक्षण किया,जिसकी संरचना व्यवस्था अधूरी पायी गयी। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने भवन निर्माण के बाद हैंडओवर के लिए स्वीकृति देने के सम्बन्ध में सम्बंधित सबइंजीनियर को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए और स्वास्थ्य केंद्र में आवश्यक व्यवस्था उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए।

कन्या आश्रम का कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण लापरवाह अधीक्षिका को कारण बताओ नोटिस जारी

डिंडौरी न्यूज।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या और पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहनी सिंह ने ग्राम किवटी के आदिवासी कन्या आश्रम का निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास व्यवस्था, पेयजल,गर्म पानी की व्यवस्था,शिक्षा, भोजन गुणवत्ता, मीनू अनुसार भोजन, अध्ययन कक्ष, अधीक्षिका कक्ष,शौचालय सुविधा, साफ सफाई, सुरक्षा आदि व्यवस्थाओं का जायजा लिया। छात्रावास अधीक्षिका श्रीमती चंद्रा मरावी ने हॉस्टल में दी जा रही सुविधाओं की जानकारी दी। निरीक्षण में हॉस्टल कक्ष के वेंटीलेशन की स्थिति उचित नहीं पायी गयी, साथ ही निरीक्षण में पाया गया,कि हॉस्टल अधीक्षिका नियमित हॉस्टल में नहीं रूकती है। जिसके सम्बन्ध में कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने हॉस्टल अधीक्षिका को कारण बताओ नोटिस जारी करने एवं हॉस्टल में उचित वेंटीलेशन करने के सम्बन्ध में निर्देश दिए,उन्होंने सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग को सभी हॉस्टलों में अधीक्षिकाओं की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कराने के लिए रात्रि में 10 बजे और सुबह 5 बजे जीपीएस के माध्यम से जिओटैगिंग करने के लिए निर्देशित किया।

पुष्पराजगढ़ में सामूहिक विवाह समारोह में 351 जोड़े हुये एक दूजे के

मंत्री, सांसद, विधायक सहित जनप्रतिनिधियों ने नव दंपत्तियों को दी बधाई

वैवाहिक जोड़ों को गृहस्थी स्थापना के लिए प्रदान किए गए 49 हजार के चेक

अनूपपुर।

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा निःशक्त, निर्धन और कमजोर परिवारों की सहायता के लिए आम लोगों की भावना और उनकी भागीदारी को दृष्टिगत रखते हुए मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन बुधवार 26 फरवरी 2025 को जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के खेल मैदान, बिजली ऑफिस के पास राजेन्द्रग्राम में किया गया। जिसमें 351 नव दम्पत्ति परिणय सूत्र में आबद्ध हुए। मांगलिक परिणय बेला पर जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के स्व सहायता भवन से दुल्हो की बारात निकाली गई जिसकी अगुवाई जनप्रतिनिधियों ने की। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल, शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह, राज्य कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेल, विधायक पुष्पराजगढ़ फुन्देलाल सिंह, जिला पंचायत के अध्यक्ष श्रीमती प्रीति सिंह, कलेक्टर हर्षल पंचोली, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा, एसडीएम पुष्पराजगढ़ महिपाल सिंह गुर्जर, जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के पूर्व अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम, पूर्व विधायक सुदामा सिंह सिंग्राम जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ की अध्यक्ष श्रीमती मिथिलेश सिंह, उपाध्यक्ष अशोक पाण्डेय, नगर परिषद अमरकंटक की अध्यक्ष श्रीमती पार्वती सिंह, जिला पंचायत के सदस्य नर्मदा सिंह दरोगा सिंह श्रीमती यशोदा सिंह श्रीमती भुवनेश्वरी सिंह सहित जनपद सदस्य गण जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गणेश पाण्डेय सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकाय के निर्वाचित पदाधिकारी, पार्षदगण, शासकीय अधिकारी-कर्मचारी, पत्रकारगण तथा जनपद पंचायत के अधिकारी- कर्मचारी ग्राम पंचायतों के सरपंच, उप सरपंच सचिव, रोजगार सहायक आदि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री कन्या विवाह समारोह को संबोधित करते हुए मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश की डबल इंजन की सरकार लगातार जनहित के कार्य कर रही है। किसानों की समृद्धि के लिए अनेक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। किसानों, ग्रामीण नागरिक, वृद्ध, युवा तथा महिलाओं के उत्थान के लिए सरकार द्वारा लोक कल्याणकारी कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा पात्र परिवारों के लिए संचालित वैवाहिक कार्यक्रम सराहनीय है। उन्होंने नव दम्पत्तियों को दाम्पत्य जीवन की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में विधायक फुन्देलाल सिंह ने सामूहिक कन्या विवाह कार्यक्रम में सम्मिलित वर-वधु पक्ष के लोगों तथा नव दम्पत्तियों को शुभकामनाएं दी तथा नव दम्पत्तियों को बेहतर जीवन की शुभकामनाएं दी। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों के प्रति आभार भी व्यक्त किया। इस अवसर पर वर पक्ष के लोगों का द्वारचार में भव्य स्वागत किया गया। जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधिगण दोनो पक्षों से शामिल रहे। इस अवसर पर आतिशबाजी की गई। बैण्ड बाजे की धुन पर वर-वधु पक्ष के साथ ही उपस्थित जनप्रतिनिधि भी जमकर थिरके। वैवाहिक अवसर पर पेयजल, भोजन आदि की भी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। वैवाहिक सामग्रियां सजाई गई थीं। वैवाहिक कार्यक्रम हिन्दू रीति रिवाज के विधिविधान से मंत्रोच्चार कर सात फेरों के साथ पुरोहितों द्वारा सम्पन्न कराया गया। मुख्यमंत्री कन्या विवाह समारोह में मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने नव दम्पत्तियों को उपहार स्वरूप मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 49 हजार का चेक प्रदान किया।

जिला मुख्यालय में एफआरएस के खिलाफ किया गया प्रदर्शन

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को सुपरवाइजर बनाने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

अनूपपुर। 25 फरवरी को अंजली श्रीवास्तव की अध्यक्षता में कामरेड लीला बांधव कामरेड जयंती मार्को कामरेड उर्मिला पाव कामरेड उर्मला विश्वकर्मा कामरेड संगीता मरावी कामरेड यशोदा देवी के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं एवं सहायिका ने रैली निकालकर अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जिसमें माँग की गई कि हितग्राहियों का फोटो खींचकर मोबाइल में सेव करना है जो कठिन काम है कहीं नेटवर्क मिलता है कभी नहीं मिलता है पुराने मोबाइल है। सर्वर का डाउन रहना भी समस्या है एक और महत्वपूर्ण माँग कामरेडों ने उठाया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को सुपरवाइजर के पद पर विभागीय परीक्षा उपरांत पदोन्नत के लिए उम्र की सीमा खत्म की जाए कामरेड जनक राठौर एडवोकेट भी सहयोग के लिए ज्ञापन देते समय मौजूद थे कामरेड अंजलि श्रीवास्तव ने कहा कि हमारी माँगे नहीं मानी गई तो प्रदेश स्तर पर उग्र आंदोलन किए जाएंगे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खुद बीमार, इलाज की जरूरत बदहाल व्यवस्थाओं में सुधार के लिए सौंपा ज्ञापन

कोतमा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में पहली अव्यवस्था एवं डॉक्टर की कमी को दूर करने को लेकर मंगलवार को नागरिकों ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को ज्ञापन सौंपते हुए लेख किया है कि कोतमा अस्पताल कहने को तो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र है और इस क्षेत्र की जीवनदायनी है लेकिन सुविधाओं के नाम पर महज दिखावा साबित हो रहा है। वर्षो से अस्पताल में डॉक्टर के पद रिक्त हैं आज तक उनकी पूर्ति शासन के द्वारा नहीं की गई है साथ ही खून जांच के नाम पर बड़ी-बड़ी मशीन भी है लेकिन नाम मात्र के लिए ही खून जांच किया जाता है बाकी जांचों के लिए मरीज को प्राइवेट पैथोलॉजी में मजबूरी में जाना पड़ता है । कई उपकरण ऐसे हैं जो शासन के द्वारा दिए तो गए हैं लेकिन उसका उपयोग ही नहीं किया जाता है। छोटी-छोटी बीमारियों के लिए अस्पताल से उन्हें बाहर रेफर कर दिया जाता है जिससे यहां के नागरिकों एवं ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतर्गत लगभग डेढ़ लाख की आबादी आती है जो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में इलाज के लिए निर्भर हैं । यह क्षेत्र आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है और गरीब मध्यम वर्ग की टपके के लोग इलाज करने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा आते हैं लेकिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में महिला विषय विशेषज्ञ चिकित्सक एवं पुरुष डॉक्टर की भी कमी से यह क्षेत्र जूझ रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में एंबुलेंस की सुविधा भी उपलब्ध नहीं है जिसके कारण यदि गंभीर मरीज को बाहर रेफर किया जाता है तो घंटा इंतजार करने के बाद एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध हो पाती है कभी-कभी तो एंबुलेंस के अभाव में मरीज की जान भी चली जाती है। शासन के द्वारा जो दवाइयां भेजी जाती है वह भी सही ढंग से मरीजों को नहीं मिल पाती है जिसके कारण मरीज को बाहर से दवाई खरीदना पड़ता है। साफ सफाई का भी अभाव देखा जाता है जबकि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सफाई कर्मचारी भी नियुक्त है उसके बाद भी अस्पताल सहित परिसर में गंदगी बनी रहती है। कायाकल्प योजना के तहत जो राशि शासन के द्वारा उपलब्ध करवाई गई वह भी समझ से परे है। किस जगह इस राज का उपयोग किया गया अस्पताल में व्यवस्थाओं के नाम पर मात्र खाना पूर्ति की जाती है। मौसम के हिसाब से जो उपकरण अस्पताल में होने चाहिए जैसे पंखे कूलर हीटर उनका भी सही ढंग से रख रखाव नहीं होने की वजह से बिगड़े पड़े हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में खाने को तो शासन के द्वारा सभी प्रकार के खून जांच की सुविधा उपलब्ध करवा दी गई है और इसे सेंट्रल पैथोलॉजी का नाम भी दिया गया है लेकिन आज भी मरीज के सभी प्रकार के खून की जांच नहीं की जाती है मजबूरन उन्हें प्राइवेट पैथोलॉजी में खून जांच के लिए जाना पड़ रहा है। अस्पताल में कई उपकरण ऐसे हैं जो दो-तीन वर्षों से धूल खा रहे हैं विशेषज्ञ डॉक्टर के न होने के कारण सोनोग्राफी जैसी मशीन धूल कटी पड़ी हुई है। कोतमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के रेपर केन्द्र बनकर रह गया है ।

महाशिवरात्रि के मौके पर मंदिरों में उमड़ा भक्तों का जन सैलाब

नर्मदा घाटों पर बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

जगह-जगह निकाली गई शिव की बारात हर-हर महादेव से गूंजा शिवालय, मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

महाशिवरात्रि का पर्व बुधवार को जिले में धूमधाम से मनाया गया इस मौके पर श्रद्धालुओं ने उपवास रख कर शिवालयों में पूजा-अर्चना की शिवरात्रि को लेकर बरमान स्थित दीपेश्वर मंदिर,नरसिंह मंदिर के सर्वेश्वर महादेव महादेव पिपरिया डमरू घाटी स्थित शिव मंदिर सहित सभी शिव मंदिरों में महादेव की विशेष पूजा-अर्चना की गयी इस अवसर पर शिवालयों को विशेष रूप से सजाया गया था। प्रमुख मंदिरों के बाहर मेले का भी आयोजन किया गया था। शिवरात्रि के मौके पर जिले के विभिन्न हिस्सों में भक्तों द्वारा आकर्षक झांकी भी निकाली गयी। महाशिवरात्रि के मौके पर निकलने वाली झांकी व शिव बारात को लेकर प्रशासन द्वारा सुरक्षा का पुख्ता प्रबंध किया गया था महाशिवरात्रि को लेकर जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण इलाकों के सभी शिवालयों में सुरक्षा को लेकर महिला व पुरूष बल की तैनाती की गयी थी। सुबह 04 बजे से ही श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर परिसर में जुटनी शुरू हो गयी थी। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा का खास ख्याल रखा गया था। सिंहपुर चैराहा स्थित शिव मंदिर से शिव बारात एवं भव्य झांकी निकाली गयी, लोग अपने घरों से निकल कर दर्शन करते नजर आए। महाशिवरात्रि को लेकर पूरे दिन शहर में भक्तिमय माहौल बना रहा। सभी शिवालयों एवं मंदिरों में सुबह से ही पूजा अर्चना की लिए लोगों की भीड़ इकट्ठी होनी शुरू हो गई थी। महाशिवरात्रि के अवसर पर कई जगहों पर श्रद्धालुओं ने स्टॉल लगाकर प्रसाद का भी वितरण किया।

महाशिवरात्रि का महत्व और पौराणिक मान्यताएं

महाशिवरात्रि क्यों मनाते हैं इसको लेकर मान्यता है कि इस दिन शिव और शक्ति का मिलन हुआ था। यानी कि इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह संपन्न हुआ था। इसलिए इस दिन व्रत किया जाता है और शिवजी के साथ गौरा यानी कि मां पार्वती की पूजा होती है। आइए आपको बताते हैं महाशिवरात्रि का इतिहास, महत्व और मान्यताएं। भगवान शिव को चतुर्दशी तिथि का स्वामी माना जाता है। ईशान संहिता में कहा गया है कि भगवा- शिव फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि वाले दिन ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रगट हुए थे। इसलिए इस तिथि वाले दिन महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाने लगा। लेकिन इसके अलावा भी महाशिवरात्रि के विषय में मान्यताएं हैं। एक कथा के अनुसार, इस दिन सागर मंथन हुआ था और जिसमें से कालकेतु विष निकला था। उस समय भगवान शिव ने संपूर्ण ब्रह्मांड की रक्षा करने के लिये स्वयं ही पूरा विष पी लिया था। जिस कारण उनका पूरा कंठ नीला हो गया था। विषपान के बाद से ही उन्हें नीलकंठ की संज्ञा दी गई। अन्य मान्यताओं में इस दिन को शिव पार्वती के विवाह के रूप में भी मनाने की परंपरा रही है।

नर्मदा तटों पर उमड़े श्रद्धालु

आज महाशिवरात्रि पर्व पर नर्मदा तटों पर अलसुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु पुण्य स्नान करने पहुंचे। वहीं स्नान के बाद श्रद्धालुओं द्वारा घाटों पर बने मंदिरो में अभिषेक पूजन किया गया। इसके अलावा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गाडरवारा के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल डमरूघाटी में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। यहां पर तीन दिवसीय मेले का आयोजन किया जाता है। साथ ही महादेव पिपरिया में भी मेला भरता है। जिले के प्रमुख तीर्थक्षेत्र बरमान में सुबह से नर्मदा के सीढ़ीघाट, रेत घाट, सतधारा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्नान-पूजन करने पहुंचें। यहां नर्मदा की दो धाराओं के बीच टापू पर बने प्राचीन दीपेश्वर मंदिर में विराजित शिवलिंग का अभिषेक पूजन करने के लिए नौकाओं से श्रद्धालु मंदिर पहुंचते हैं। पंचकोषी परिक्रमा के दौरान इस मंदिर में ओंकारेश्वर की मान्यता के अनुसार पंचकोषी परिक्रमा पूर्ण होने पर पूजन किया जाता है। मंदिर काफी प्राचीन है और मंदिर को श्रद्धालुओं के सहयोग से नया स्वरूप मिला है जिससे यहां नरसिंहपुर, करेली, सागर, छिंदवाड़ा, रायसेन आदि जिलो से भी पूजन के लिए श्रद्धालु यहां बड़ी संख्य में आते हैं। नर्मदा के ककराघाट पर भी श्रद्धालुओं की काफी भीड़ होती है। इसी तरह नर्मदा के अन्य घाटों पर भी स्नान-पूजन का क्रम शाम तक चलता रहा।

जगह-जगह निकाली शोभायात्रा हुए भंडारे

श्री नरसिंह युथ ग्रुप के तत्वाधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भगवान भोलेनाथ की भव्य बारात एवं शोभायात्रा निकाली जा रही है जो कि सिंहपुर चैराहा शिव मंदिर से शाम 5 बजे प्रारंभ हुईऔर देर रात्रि तक नगर के मुख्य मार्ग पर भ्रमण करती रही। आमजन व समाजसेवी लोगों द्वारा डमरू घाटी जाने वाले मार्ग पर अनेक स्थानो पर पेयजल सेवा, फलाहारी प्रसादी का वितरण किया गया।

महाशिवरात्रि पर महाभिषेक

नरसिंहपुर। करेली सहकारी विपणन सोसाइटी के शिव मंदिर में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर भगवान शिव की आराधना कर महाभिषेक पूजन कर धर्म लाभ उठाया।महाशिव रात्रि पर देवादि देव महादेव का विविध प्रकार की वानस्पतिक फूल, दूर्वा, अक्षत, धतूरा, भॉग, विलवपत्र, चंदन एवं विभिन्न सुगंधित द्रव्यों से पूजन पण्डित सुरेश पांडे ने सम्पन्न कराया, धर्ममय माहौल में सभी के मंगल मय भविष्य की कामना की गई।मंदिर में स्थापित महाकाल की पिण्डी पर विधि-विधान मंत्रोच्चारण के साथ पंचामृत अभिषेक किया गया। समस्त भक्तों ने श्रद्धा-भक्ति पूर्वक उत्साह से भाग लिया। अभिषेक के बाद प्रसाद वितरण किया गया।

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने दिव्यांग बच्चों के छात्रावास का किया निरीक्षण

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने एनटीपीसी सह अवानी महिला मंडल के सहयोग से प्रदत्त 5 कम्प्यूटर सिस्टम तथा एक टेलीविजन का शुभारंभ किया। इस दौरान अवानी महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति जयमाल भी मौजूद थी। कलेक्टर ने छात्रावास का भी निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि सीडब्ल्यूएसएन छात्रावास नरसिंहपुर के दिव्यांग बच्चों को उनकी शिक्षा का अधिकार मिले एवं वे अपने उज्वल भविष्य की गाथा स्वयं लिख सके इस उद्देश्य से यह कम्प्यूटर सिस्टम एवं टेलीविजन एनटीपीसी सह अवानी महिला मंडल के सहयोग से प्रदान किया। इस अवसर पर कलेक्टर ने सभी दिव्यांग बच्चों से रूबरू संवाद किया और उन्हें प्रोत्साहित किया। श्रीमती जयमाल द्वारा भी बच्चों से संवाद किया। इस दौरान सभी दिव्यांग बच्चे बहुत प्रसन्न हुए और इसके लिए उन्होंने सभी का धन्यवाद दिया। कलेक्टर ने सीडब्ल्यूएसएन छात्रावास का भी निरीक्षण किया। उन्होंने यहां दिव्यांग बच्चों के लिए उपलब्ध पलंग, गद्दे और किचिन का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि जो गद्दे पुराने गद्दों को बदलने और किचिन में पर्याप्त साफ- सफाई रहे। इस अवसर पर उप संचालक सामाजिक न्याय श्रीमती अंजना त्रिपाठी, डीपीसी आरपी चतुर्वेदी, एपीसी, आईईडी, अंजू शर्मा, एपीसी समीर त्यागी, आनंद शर्मा, अखिलेश राजौरिया एवं अन्य अधिकारी व छात्रावास के बच्चे मौजूद थे।

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत लगाये जा रहे शिविर

नरसिंहपुर। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम को और प्रभावी बनाने के लिए 100 दिवसीय निक्षय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान जिले में 25 मार्च तक चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य टीबी उन्मूलन के प्रयासों को और अधिक गति देना और जन जागरूकता को बढ़ावा देना है। जिले में 100 दिनों में लोगों की टीबी की व्यापक स्तर पर स्क्रीनिंग, जांच, उपचार और जन जागरूकता को सुनिश्चित किया जा रहा है। निक्षय शिविर के दौरान स्वास्थ्य विभाग नरसिंहपुर द्वारा लोगों को टीबी के बारे में जागरूक किया जा रहा है। टीबी से कैसे बचा जाये एवं टीबी के क्या लक्षण है, इसकी जानकारी भी शिविर के दौरान दी जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को चलने में सांस भरना, लगातार खांसी आना, भूख नहीं लगना, वजन कम होना, रात को पसीना आना जैसे टीबी के सामान्य लक्षण हो सकते हैं। इसके लिए निरूशुल्क एक्स- रे करवायें। अगर मरीज टीबी पॉजीटिव आता है, तो उसको 6 माह तक दवाई लेना होती है, दवाई में किसी भी दिन का कोई गैप नहीं होना चाहिये। टीबी का मरीज दवाई लेने पर ठीक हो जाता है। टीबी कोई घातक बीमारी नहीं है। अगर जांच में मालूम पड़ जाता है कि किसी व्यक्ति को टीबी है, तो दवाई जरूर लेना चाहिये। दवाई का नियमित उपयोग करने से व्यक्ति पूर्ण स्वस्थ हो जाता है।

लाठगांव में आज से श्रीमद भागवत कथा का आयोजन

गोटेगांव के नजदीकी ग्राम लाठगांव में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 27 फरवरी से किया जा रहा है जिसमें कथावाचक नवीन बिहारी सांवरे सरकार गौपीठ सुर्खी संस्थापक बुंदेलखंड सागर के मुखारविंद से कथा का रसपान कराया जाएगा कथा की शुरुआत दिनांक 27 फरवरी गुरुवार को भव्य कलश यात्रा,एवं पूजन के साथ होगी इसके उपरांत कथा प्रारंभ होगी कथा प्रवचन प्रतिदिन दोपहर 2:00 बजे से शाम तक की जाएगी पूजन पाठ प्रतिदिन सुबह 8 से 11:00 बजे तक रहेगा। 6 मार्च 2025 को कथा का समापन एवं भंडारे का। आयोजन किया जाएगा। कथा के मुख्य यजमान सुंदरलाल साहू,श्रीमती ज्योति साहू।

अवैध शराब के कारोबारियों के विरूद्ध पुलिस का एक्शन

चैकी झौतेश्वर पुलिस की गिरफ्त में 3 अवैध शराब के कारोबारी, 310 पाव देशी शराब एवं 2 मोटर साईकिल जप्त

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

जिले में अवैध शराब के कारोबार पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाने, साथ ही नशे का कारोबार एवं सेवन करने वालों पर पूर्णतः अंकुश लगाने हेतु संपूर्ण जिला अंतर्गत विशेष अभियान चलाया जाकर जिले के विभिन्न थानों में लगातार धरपकड की कार्यवाही की जा रही है। अभियान के तहत पुलिस चैकी झौतेश्वर अन्तर्गत दिनांक 25.02.2025 को आरोपी दुर्गेश पिता सुंदरलाल यादव, उम्र 24 वर्ष, राहुल पिता छोटेलाल यादव, उम्र 23 वर्ष, अनिल ठाकुर पिता कालुराम, उम्र 21 वर्ष सभी निवासी ग्राम बंधा, थाना मुंगवानी, जिला नरसिंहपुर को गिरफ्तार किया गया है तथा इनके कब्जे से 310 पाव देशी मदिरा मसाला शराब एवं घटना प्रयुक्त दो मोटर साईकिल को जप्त किया गया है। आरोपियों के विरूद्ध अपराध क्रमांक 145¢25 धारा 34 (2) आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध कर आरोपियों को न्यायालय नरसिंहपुर पेश किया गया है। उक्त कार्यवाही मे उप निरीक्षक दिलीप सिंह, सहायक उप निरीक्षक सुरेश धुर्वे, प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र झरिया, आरक्षक गौरी शंकर एवं आरक्षक परसराम भूमिका रही।

महाशिवरात्रि पर्व पर विश्व शांति के लिए फहराया गया शिव ध्वज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय नरसिंहपुर के तत्वावधान में विगत 12 फरवरी से 12 मार्च 2025 तक महाशिवरात्रि महोत्सव मनाया जा रहा है। जिसमें जिले के सभी तहसील ग्रामीण अंचलों की समस्त ब्रह्माकुमारी शाखाओं तथा संस्था से जुड़े भाई बहनों के घरों में शिव ध्वजारोहण कर परमात्मा शिव के अवतरण का शिव संदेश दिया जा रहा है। इसी क्रम में महाशिवरात्रि पर्व पर स्थानीय सेवा केंद्र जिला मुख्यालय दिव्या संस्कार भवन में महाशिवरात्रि पर मनाया गया । जिसमें ब्रह्माकुमारी कुसुम दीदी जी ने शिव ध्वज फहराकर महाशिवरात्रि पर्व का आध्यात्मिक रहस्य बतलाया कि वर्तमान में वही निराकार सर्वशक्तिमान पतित पावन परमपिता परमात्मा शिव धरा पर अवतरित होकर पुनः मानव मात्र के विकारों को हर कर फिर से देवी देवता जैसा बनने का वरदान दे रहे हैं। दीदी ने कहा कि परमात्मा शिव पर अपनी बुराइयों को अर्पण करना ही सच्ची शिवरात्रि है। इस अवसर पर बच्चों ने प्रेरणादाई स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर का समापन

गोटेगाँव

समीपवर्ती ग्राम केवलारी नयागांव में 20 फरवरी से हो रहे सीएम राइज उत्कृष्ट विद्यालय गोटेगाँव रासेयो के सात दिवसीय शिविर का समापन बुधवार को हुआ। शिविर में सामुदायिक सेवा,जागरूकता कार्यक्रम और विविध बौद्धिक सत्रों का आयोजन किया गया।समारोह में स्वयंसेवकों ने कन्या भ्रूण हत्या, प्राथमिक इलाज पर प्रस्तुति देकर ग्रामीणों को जागरूक किया। विद्यार्थियों ने विभिन्न विषय योग,सफाई अभियान,नशा उन्मूलन, बेटी-बचाओ बेटी-पढ़ाओ, वृक्षारोपण,जल सरक्षण आदि विषयों की रैली,रैली निकालकर ग्रामीणों को जागरूक किया।अंतिम चरण में,रासेयो कार्यक्रम अधिकारी संजीव नाहर, सहायक आशुतोश नेमा व डीडी प्रजापति ने शिविर आरम्भ से समापन तक हुई संपूर्ण गतिविधियों में योगाभ्यास,गांव भ्रमण के दौरान नशा उन्मूलन प्रभात फेरियों,श्रमदान,दैनिक परियोजना एवं सदाचार, अनुशासन एवं व्यक्तित्व के बारे में संक्षेप जानकारी दी। आभार व्यक्त संजीव नाहर द्वारा किया गया। दलनायक मयंक असैया,सौरभ अहिरवार,मोहित परसवार,प्रशांत,लोकनाथ, शुभम,गणेश,अंशुमान लोधी नर्मदा चौधरी व अन्य स्वयंसेवकों ने योगदान देकर कार्यक्रम को सफल बनाया 1

झोतेश्वर पुलिस चौकी ने अवैध शराब के साथ तीन आरोपियों को पकड़ा

गोटेगांव

पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत झौतेश्वर पुलिस चौकी की गिरफ्त में 3 अवैध शराब के कारोबारी, और उनके पास से 310 पाव देशी शराब एवं 2 मोटर साईकिल जप्त की गई। पुलिस चौकी झौतेश्वर ने दिनांक 25.02.2025 को आरोपी दुर्गेश पिता सुंदरलाल यादव, उम्र 24 वर्ष,राहुल पिता छोटेलाल यादव, उम्र 23 वर्ष,अनिल ठाकुर पिता कालुराम, उम्र 21 वर्ष सभी निवासी ग्राम बंधा थाना मुंगवानी, जिला नरसिंहपुर को गिरफ्तार किया गया है तथा इनके कब्जे से 310 पाव देशी मदिरा मसाला शराब एवं घटना में प्रयुक्त दो मोटर साईकिल को जप्त किया गया है। आरोपियों के विरूद्ध के अपराध क्रमांक 145/25 धारा 34 (2) आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध कर आरोपियों को न्यायालय नरसिंहपुर में पेश किया गया है।इस कार्यवाही में झोतेश्वर चौकी प्रभारी दिलीप सिंह, एएसआई सुरेश धुर्वे, प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र झारिया, आरक्षक परसराम एवं गौरीशंकर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नवनिर्मित मंदिर में विराजे कूपेश्वर महादेव

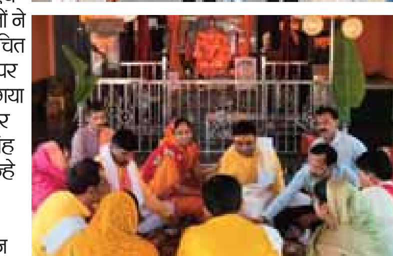

तेंदूखेड़ा महाशिवरात्रि महापर्व के पावन अवसर पर तेंदूखेड़ा सहित आस पास ग्रामीण क्षेत्रों में विविध धार्मिक आयोजन हुये।इसी श्रंखला के चलते ग्राम खैरूआ में ग्रामीणों के सहयोग से प्राचीन निर्मित कुएं के ऊपर देवाधिदेव महादेव का एक भव्य मंदिर बनकर तैयार हुआ। जिस पर भगवान शिव शंकर की प्राण प्रतिष्ठा एवं मंदिर के ऊपर कलश स्थापना की गई। विशाल शोभायात्रा ग्राम के प्रमुख मार्गों से निकली गई। विद्वान पंडितों ने प्राण प्रतिष्ठा कर महा रुद्राभिषेक कराया गया। गौरतलब रहे कि गांव के बीचो-बीच एक प्राचीन कुआं था उचित रखरखाव ना होने की स्थिति मे कुये का अस्तित्व खत्म हो गया था। ग्राम वासियों की सहायता से कुएं के ऊपर लेंटर डालकर शिवशंकर की स्थापना एवं भव्य मंदिर के लिए ग्रामीणों द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया था ।और सभी ने एक मत होकर इस मंदिर के निर्माण में अपना भरपूर सहयोग से मंदिर का निर्माण करा कर महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर देवादिदेव महादेव की स्थापना की गई कार्यक्रम में ग्राम दीवान बसंतराज सिंह दीवान अर्जुन सिंह दीवान इंद्रजीत सिंह अखिलेश गुबरेले राजेश पंडा अजय कुमार पटेल मुलायम पटेल नन्हे वीर पटेल शिव प्रसाद पटेल सीताराम पटेल कमलेश कुआंवाले कलू पटेल कालूराम छिरा यशवंत खेरोनिया धनराज पटेल धीरालाल सेन आदि सभी ग्राम वासियों के सहयोग से इस मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ।***हनुमान मंदिर परिसर में विराजे भोले नाथ-** तेंदूखेड़ा नगर के गांधी चौक के सामने तरफ श्री हनुमान मंदिर दादा दरबार में भगवान भोलेनाथ की प्राण-प्रतिष्ठा वैदिक रीति नीति से संपन्न हुई।श्री राम रसिया भक्त मंडल के सभी सदस्यों के द्वारा शिवाभिषेक पूजन अर्चन कर परिसर में छोटे से मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की गई।